पाठ-योजना

अध्यापिका/अध्यापक :

पुस्तक : उड़ान हिंदी पाठमाला भाग-8

विषय : हिंदी **दिनांक :** ....

उपविषय : प्रदूषित हवा हर साँस में, पाठ-9 **अवधि :** 3-4 वादन

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	चिंतन	लिखना	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
9.	विस्तृत विवरण, पारिभाषिक शब्द, शुद्ध उच्चारण, प्रश्नोत्तर, पठन-पाठन, मौखिक अभिव्यक्ति, समस्या का समाधान बताना।	कार्य-कारण संबंध, प्रतिक्रिया, सही गलत का निर्णय, तर्क, निष्कर्ष निकालना, चिंतनात्मक पठन।	सही गलत वाक्य बताना, सर्वनाम शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, विशेषण, प्रविशेषण, गद्यांश पर आधारित, अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्न।	संवाद, ओज़ोन की जानकारी, प्रदूषण के प्रभाव, पॉलिथीन बैग के विरोध में अभियान, पेड़ लगाना, कम वाहन प्रयोग का आग्रह।	प्रकृति से प्रेम, प्रकृति को नुकसान न पहुँचाना, पेड़ लगाना।

सामान्य उद्देश्य :
1. छात्रों में शुद्ध वाचन तथा पढ़ने-लिखने के कौशल का विकास करना।
2. अपने विचारों को सही प्रकार से प्रकट करने का ज्ञान व अभ्यास कराना।
3. वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास करना।
4. छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
5. प्रश्नों के उत्तर को भली-भाँति लिखने का अभ्यास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :
1. इस पाठ के माध्यम से बताना कि मनुष्य ने विकास प्रक्रिया में प्राकृतिक साधनों का जो अंधा-धुंध दोहन किया, वही आज प्रदूषण के रूप में समस्त मानव के लिए ख़तरा बनकर खड़ा है। तथा पेड़ लगाने के लिए बच्चों को प्रेरित करना।
2. सर्वनाम शब्द का ज्ञान कराना, उपसर्ग तथा प्रत्यय के अर्थ को बताना तथा विशेषण और प्रविशेषण का ज्ञान कराना।

सहायक सामग्री : श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान-परीक्षा : अध्यापिका/अध्यापक छात्रों की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए छात्रों से पूछेंगे कि वायु-प्रदूषण किसे कहते हैं? वायु को प्रदूषित होने से कैसे बचा सकते हैं? वायु प्रदूषित से क्या नुकसान है? आदि।

उद्देश्य-कथन : अध्यापिका/अध्यापक प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक या असंतोषजनक पाकर अपने उद्देश्य की घोषणा करेंगे कि बच्चो, आज हम 'प्रदूषित हवा हर साँस में' पाठ-9 का अध्ययन करेंगे।

कॉरडोवा सी.डी. (CD) के माध्यम से पाठ को दर्शाएँगे।

शिक्षण-बिंदु : 'प्रदूषित हवा हर साँस में' पाठ-9 के प्रश्नों के उत्तर छात्रों की सहायता लेते हुए कराए जाएँगे।

अध्यापिका/अध्यापक क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
प्र.1. मनुष्य किसके बिना एक मिनट भी ज़िंदा नहीं रह सकता है? प्र.2. हवा कैसे ज़हरीली होती जा रही है?	उ. मनुष्य साँस के बिना एक मिनट भी ज़िंदा नहीं रह सकता है। उ. नई-नई प्रौद्योगिकियों के प्रसार के कारण पैदा होने वाले उत्पादों से हवा ज़हरीली होती जा रही है।

प्र.3. वाहनों से निकलने वाले धुएँ को नियंत्रित करने के लिए कौन-सी तकनीकें विकसित की गई हैं?	उ. वाहनों से निकलने वाले धुएँ को नियंत्रित करने के लिए ट्यून-अप कैटेलिटक रिएक्टर और इंजन में सुधार तकनीकों को विकसित किया गया है।

पाठ पढ़ाने के पश्चात–

मौखिक : सर्वप्रथम अध्यापिका/अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण कराएँगे तथा पाठ से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछेंगे।

जैसे- प्र. अरस्तू के जीवन-काल में प्रदूषण की क्या स्थिति रही होगी? उन्होंने आज की समस्या को कैसे जान लिया था?

उ. बच्चे अपनी समझ के अनुसार उत्तर देंगे। **जैसे–**अरस्तू के जीवन-काल में प्रदूषण की स्थिति आज के समय से बेहतर होगी। परंतु धीरे-धीरे बढ़ते हुए प्रदूषण को देखकर अरस्तू ने आज की समस्या का अनुमान लगाया होगा।

इसी प्रकार से सभी प्रश्नों को मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात–

कॉरडोवा सी.डी. (CD) के माध्यम से मूल पाठ सहित पाठ को दर्शाएँगे।

लिखित : प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लिखित रूप में करवाने से पहले मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात लिखवाएँगे।

1. वाक्यों को भली-भाँति समझाएँगे। तत्पश्चात ✓ या ✗ का निशान लगवाएँगे।
2. वाक्यों में आए सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करवाएँगे।
3. 'अ' उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनवाएँगे।
4. सर्वप्रथम बताएँगे कि 'इत' प्रत्यय के योग से संज्ञा शब्दों से विशेषण शब्द बनते हैं। तत्पश्चात 'इत' प्रत्यय जोड़कर विशेषण शब्द बनवाएँगे।
5. विशेषण शब्दों के साथ प्रविशेषण शब्द लगवाकर वाक्य में प्रयोग करवाएँगे।
6. संकेत गद्यांश को पाठ में पुनः पढ़वाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उचित उत्तर में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
7. **कॉरडोवा सी.डी. (CD)** के माध्यम से प्रश्नों के उत्तर से संबंधित अंशों को दशाएँगे। तत्पश्चात अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे।

आओ अब कुछ बात करें : प्रदूषण से संबंधित विषय पर संवाद करवाएँगे।

परियोजना निर्माण : प्लास्टिक-थैली के प्रयोग को बंद करवाने के लिए स्कूल में अभियान चलाने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।

वायु प्रदूषण के परिणामस्वरूप पशु-पक्षियों एवं जलजीवों पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी हासिल करने के लिए कहेंगे।

निष्कर्ष : बढ़ते हुए वायु-प्रदूषण के बारे में जाना तथा वायु प्रदूषण से मुक्ति पाने के लिए पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित हुए।

सर्वनाम शब्दों के बारे में जाना तथा 'अ' उपसर्ग तथा 'इत' प्रत्यय के योग से नए शब्द बनाना सीखा तथा विशेषण शब्दों का विशेष्य शब्दों के साथ वाक्य में प्रयोग किया।

कक्षा-कार्य निरीक्षण : अध्यापिका/अध्यापक कक्षा में छात्रों को लिखवाए गए प्रश्नों के उत्तर का निरीक्षण करेंगे तथा अशुद्धियों को ठीक कराएँगे।